लापरवाही | ग्राम लाटो में हादसा, ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी, अस्पताल में इलाज जारी

लटकते तारों की चपेट में आया बुजुर्ग करेंट से झुलसा





घुघरी/मंडला, नवभारत। विद्युत विभाग की लगातार सामने आ रही उदासीनता और झूलते तारों की अनदेखी आज एक बड़े हादसे का कारण बन गई। घुघरी ब्लॉक के ग्राम लाटो में जमीन की ओर लटके हुए हाई-टेंशन बिजली के तारों की चपेट में आने से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में घायल को अस्पताल पहुँचाया गया।

जानकारी अनुसार रविवार दोपहर जब बुजुर्ग अपने काम में व्यस्त थे, इसी दौरान वे नीचे लटके हुए बिजली के तारों के संपर्क में आ गए। करंट इतना जोरदार था कि वे मौके पर ही बुरी तरह झुलस गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल बुजुर्ग को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की विशेष देखरेख में उनका उपचार चल रहा है।

शिकायतों के बाद भी नहीं जागा विभाग

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि लाटो क्षेत्र में बिजली के तार लंबे समय से ढीले होकर खतरनाक तरीके से नीचे झुके हुए हैं। इस संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया था, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। विभाग की इसी लापरवाही का खामियाजा आज एक निर्दोष बुजुर्ग को भुगतना पड़ा।

आंदोलन की राह पर ग्रामीण

इस घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और विभाग को चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर झूलते तारों को दुरुस्त कर सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। क्षेत्रवासियों ने पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे और लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई की भी मांग की है।

बाइक से शराब की तस्करी कर रहा युवक गिरफ्तार

पुलिस को चकमा देने के लिए बैग में छिपा रखी थी पेटियां



मंडला, नवभारत। जिले में शराब दुकानों के बंद होने के बाद से अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कोतवाली पुलिस ने रंगरेज घाट पुल के पास एक बाइक सवार युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से भारी मात्रा में देशी-विदेशी शराब बरामद की है। पकड़ी गई शराब की कुल मात्रा लगभग 46 लीटर बताई जा रही है।

बताया गया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक बाइक के जरिए शराब की बड़ी खेप खपाने की फिराक में है। आरोपी श्याम सुंदर उर्फ बंटू निवासी सिलगी, वर्तमान निवासी पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए कार के बजाय बाइक का इस्तेमाल किया। उसने फेरी लगाने वाले बड़े साइज के बैग में शराब की पेटियां लोड की थीं और पुरवा-रामबाग के रास्ते मंडला में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस को बाइक से 46 लीटर शराब मिली। इसमें 3 पेटी प्लेन देशी शराब के अलावा सिग्नेचर, एमडी रम, ब्लेंडर्स प्राइड, गोवा और ओल्ड मंक जैसे महंगे ब्रांड के क्वार्टर और बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने शराब और परिवहन में प्रयुक्त बाइक को जब्त कर लिया है।

अंजनिया और हिरदेनगर से जुड़े हैं तार

कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब इस बात की तस्दीक कर रही है कि शराब की यह खेप कहाँ से लाई गई थी। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि जिले के अंजनिया और हिरदेनगर क्षेत्रों से अवैध शराब की आपूर्ति मंडला शहर में की जा रही है।

दस्तावेजों की जटिलता से आदिवासी परिवार परेशान

शिक्षा की राह में रोड़ा बन रही कागजी प्रक्रिया, त्रुटि सुधार के चक्कर में छूट रही बच्चों की पढ़ाई

नारायणगंज। विकासखंड नारायणगंज का आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव और सरकारी कागजी कार्रवाई की जटिलता के बीच पिस रहा है। क्षेत्र में बेरोजगारी और पलायन की मार झेल रहे ग्रामीणों के लिए अब बच्चों को स्कूल भेजना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

इसका कारण शिक्षा के प्रति अरुचि नहीं, बल्कि दस्तावेजों में होने वाली छोटी-छोटी त्रुटियाँ और उन्हें सुधारने की लंबी प्रक्रिया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल प्रवेश, छात्रवृत्ति और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड, समग्र आईडी, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज अनिवार्य हैं। अक्सर इन दस्तावेजों में नाम या जन्मतिथि की जानकारी गलत दर्ज हो जाती है। इसे सुधारने के लिए जब ग्रामीण दफ्तरों में पहुँचते हैं, तो उनसे कई अन्य साक्ष्य मांगे जाते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार कार्यालयों और कियोस्क सेंटरों के चक्कर काटते-काटते थक जाते हैं, जिसका सीधा असर उनके बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है।

डिजिटल व्यवस्था और जागरूकता का अभाव- डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया ने अनपढ़ और भोले-भाले ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। तकनीकी समझ न होने के कारण ग्रामीण साइबर कैफे और दलालों के भरोसे रहते हैं, जहाँ उन्हें आर्थिक शोषण का भी सामना करना पड़ता है। मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले इन परिवारों के लिए एक दिन की दिहाड़ी छोड़कर शहर जाकर दस्तावेज सुधारवाना मानसिक और आर्थिक बोझ बन गया है।

शिक्षा से वंचित हो रहे नौनिहाल-सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि क्षेत्र में पलायन एक बड़ी समस्या है। ऐसे में जब माता-पिता अपने बच्चों का प्रवेश कराने स्कूल पहुँचते हैं, तो दस्तावेजों में विसंगति के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ता है। कई मामलों में दस्तावेजी औपचारिकताओं के चलते सत्र निकल जाता है और बच्चा शिक्षा की मुख्य धारा से कट जाता है।

ये हैं ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

क्षेत्रवासियों और सामाजिक संगठनों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि दस्तावेज सुधार के लिए नियमों को सरल बनाया जाए। ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर मौके पर ही त्रुटि सुधार की व्यवस्था हो। आदिवासी और गरीब परिवारों के बच्चों को स्कूल प्रवेश के समय दस्तावेजों के लिए अतिरिक्त समय या वैकल्पिक राहत दी जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो कागजों की इस लड़ाई में आदिवासी अंचल की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा से वंचित रह जाएगी।



नैनपुर में मौत को दावत दे रहे सरियों से लदे वाहन

नियमों को ताक पर रख हो रहा परिवहन, प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

नैनपुर। नगर में यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए लोहे के सरियों का असुरक्षित परिवहन धड़ल्ले से जारी है। छोटे-बड़े मालवाहक और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में क्षमता से अधिक और बेतरतीब तरीके से लदे ये सरिये आए दिन बड़ी दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। विडंबना यह है कि मुख्य मार्गों पर मौत बनकर दौड़ रहे इन वाहनों पर संबंधित विभाग ने चुप्पी साध रखी है।बताया गया कि नगर में भवन निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले छोटे वाहनों और ट्रैक्टरों में लोहे के सरियों को इस कदर लादा जा रहा है कि वे वाहन की बॉडी से कई फीट बाहर तक लटके रहते हैं। आमतौर पर इन सरियों की लंबाई 20 से 25 फीट होती है, जो छोटे वाहनों के आगे और पीछे खतरनाक तरीके से निकले रहते हैं। इससे सड़क पर चलने वाले अन्य वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के लिए निकलना दूभर हो गया है।

रात में बढ़ जाता है खतरा

क्षेत्रवासियों का कहना है कि रात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। अंधेरे में वाहनों के बाहर निकले ये नुकीले सरिये दूर से दिखाई नहीं देते, जिससे पीछे से आने वाले दोपहिया वाहनों के टकराने का अंदेशा बना रहता है। इन वाहनों में सुरक्षा के लिहाज से न तो कोई रेडियम लगाया जाता है और न ही कोई लाल कपड़ा बांधा जाता है।

परिवहन नियमों के अनुसार वाहन की बॉडी से बाहर माल निकालना दंडनीय अपराध है, लेकिन नैनपुर में यह अवैध तरीका एक सामान्य प्रक्रिया बन चुका है। ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे असुरक्षित परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

पटाखा गोदामों में अनियमितता मिलने पर दो गोदाम सील

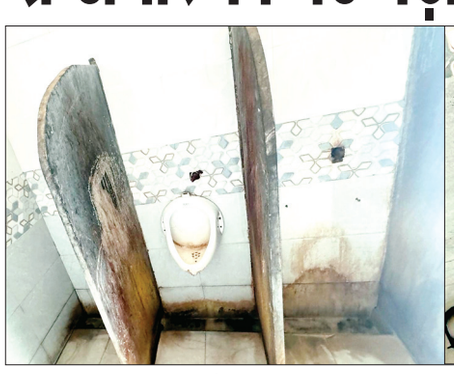
एसडीएम सोनल सिडाम और थाना प्रभारी शफीक खान की मौजूदगी में कार्रवाई



मंडला। जिला प्रशासन के निर्देश पर पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम चटुआमार एवं ग्राम बिनेका स्थित पटाखा गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों गोदामों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोदामों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम सोनल सिडाम एवं थाना प्रभारी शफीक खान भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गोदामों के स्टॉक एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि ग्राम चटुआमार स्थित लाइसेंसधारी मुकेश रहदवानी और ग्राम बिनेका स्थित लाइसेंसधारी दिनेश पमनानी के गोदामों में भौतिक स्टॉक का संधारण स्टॉक रजिस्टर के अनुरूप नहीं था। अधिकारियों के अनुसार यह विस्फोटक नियम 2008 एवं लाइसेंस की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौके पर ही दोनों गोदामों को सील कर दिया गया। साथ ही संबंधित लाइसेंसधारियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। एसडीएम श्रीमती सिडाम ने कहा कि जिले में पटाखा गोदामों एवं विस्फोटक सामग्री के भंडारण की लगातार निगरानी की जा रही है तथा सुरक्षा मानकों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना प्रभारी शफीक खान ने भी कहा कि जन सुरक्षा से जुड़े मामलों में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बदहाली | मेंटेनेंस के नाम पर हर वर्ष बेहिसाब खर्च, फिर भी व्यवस्था बदहाल, फर्श पर लगी टाइल्स उखड़ गई

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा सार्वजनिक शौचालय, वॉश बेसिन के नल गायब





नवभारत कटंगी 18 मई। नगर परिषद कटंगी द्वारा आम नागरिकों की सुविधा के लिए नगर परिषद कार्यालय से कुछ ही दूरी पर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय की हालत आज बद से बदतर हो चुकी है।

लगभग पांच वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से निर्मित यह शौचालय शुरुआती कुछ समय बाद ही अव्यवस्था और घटिया निर्माण की भेंट चढ़ गया। हालत यह है कि अब यह सार्वजनिक सुविधा लोगों के उपयोग के बजाय परेशानी का कारण बनती जा रही है।

गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया। निर्माण में निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किए जाने के कारण कुछ ही वर्षों में शौचालय की दीवारों और फर्श पर लगी टाइल्स जगह-जगह से उखड़ गई और कई स्थानों पर दरारें आ गई हैं। शौचालय में लगाए गए वॉश बेसिन के नल गायब हो चुके हैं, एग्जॉस्ट फैन खराब होकर हट चुका है और रोशनी के लिए लगाई गई लाइटें भी बंद पड़ी हैं।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए बनाया गया था शौचालय

जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा जब शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया था, तब लगभग 30 दुकानों के लिए नियमानुसार सार्वजनिक शौचालय भी बनाया गया था, ताकि दुकानदारों और ग्राहकों को सुविधा मिल सके। लेकिन निर्माण के कुछ समय बाद ही इसकी स्थिति खराब होने लगी और आज यह पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है।

सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह चरमराई

सार्वजनिक शौचालय में नियमित सफाई नहीं होने से वहां हमेशा गंदगी का माहौल बना रहता है। कई जगहों पर कचरा और बदबू फैली रहती है, जिससे लोग वहां जाने से बचते हैं। रात के समय लाइट बंद रहने के कारण अंधेरा पसरा रहता है, जिससे महिलाओं और बच्चों को विशेष परेशानी होती है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा की यह स्थिति नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।

मेंटेनेंस राशि की हो रही बंदरबाट

व्यापारियों का कहना है कि शौचालय की देखरेख और मरम्मत के लिए नगर परिषद द्वारा प्रतिवर्ष राशि निकाली जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य दिखाई नहीं देता। ऐसे में लोगों के बीच यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि मेंटेनेंस के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि में कहीं बंदरबाट तो नहीं हो रही।

बुजुर्गों और महिलाओं का पहुंचना कठिन

शौचालय तक पहुंचने के लिए बनाई गई पहली सीढ़ी की ऊंचाई इतनी अधिक है कि बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को चढ़ने-उतरने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक सुविधा का निर्माण करते समय दिव्यांगों और बुजुर्गों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए था, लेकिन यहां ऐसा नहीं किया गया।

इनका कहना है

इनका कहना है
आपके द्वारा ये जानकारी संज्ञान में लाई गई है। तुरंत कार्यवाही की जाएगी।
राधेश्याम चौधरी, सीएमओ नगर परिषद कटंगी



बेजुबान पक्षियों का सहारा बन रहा हम फाउंडेशन

वारासिवनी नगर में शुरू की जल पात्र सेवा

वारासिवनी। वर्तमान में सूर्य के तीखे तेवर और भीषण गर्मी के चलते न केवल इंसान, बल्कि पशु, पक्षी भी व्याकुल हैं। बढ़ते तापमान के कारण जल स्त्रोत सूखने लगे हैं, जिससे बेजुबान जीव बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए हम फाउंडेशन के साथियों द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों और आवारा जानवरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई है।

फाउंडेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मिलकर नगर के प्रमुख चौराहों, उद्यानों और सडक़ किनारे पेड़ों पर मिट्टी के कटोरे सकोरे बांधे, साथ ही जमीन पर बड़े मिट्टी के बर्तन रखे गए, ताकि गौवंश और अन्य जानवर अपनी प्यास बुझा सकें। इस मानवीय कार्य में मुख्य रूप से जिला महामंत्री नितिन जैन, शहर अध्यक्ष विवेक विक्की ऐड़े, शुभम जायसवाल, कालू जेठवानी, पंकज जैन, चेम्पो लिमजे, मयूर जायसवाल, अनुराग जैन, शशांक जायसवाल, रोशन गोखले, ओमप्रकाश लांजेवार और आशीष राहंगडाले सहित अन्य साथियों का सक्रिय सहयोग रहा।

ताकि प्यास से न मरें बेजुबान पक्षी

भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों और जानवरों के लिए पानी का महत्व जीवन और मृत्यु के बीच की कड़ी बन जाता है। पक्षियों का मेटाबॉलिज्म बहुत तेज होता है, गर्मी में शरीर का पानी सूखने से उनकी तत्काल मृत्यु हो सकती है। शहरीकरण के कारण प्राकृतिक तालाब और गड्ढे सूख चुके हैं, ऐसे में ये कृत्रिम जलपात्र ही उनका एकमात्र सहारा हैं। पक्षी हमारे पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं। उनकी रक्षा करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। इंसान तो मांगकर पानी पी सकता है, लेकिन ये बेजुबान अपनी प्यास भी व्यक्त नहीं कर सकते। हम फाउंडेशन की यह छोटी सी कोशिश इन जीवों को नया जीवन देने का एक प्रयास है। हम फाउंडेशन ने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे अपने घरों की छतों, बालकनी और आंगन में एक छोटा बर्तन पानी का जरूर रखें, ताकि कोई भी पक्षी प्यासा न रहे।



तेंदूपत्ता संग्राहकों की सुरक्षा के लिए बांटे मास्क

वन्य प्राणियों से बचाव को लेकर दी गई समझाइश

वारासिवनी। सामान्य वन परिक्षेत्र वारासिवनी अंतर्गत प्राथमिक वनोपज सहकारी संघ नैतरा के नैतरा फड़ में तेंदूपत्ता संग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मास्क वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य जंगल क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान वन्य प्राणियों से संभावित खतरे से बचाव तथा संग्राहकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर वन विभाग एवं समिति के अधिकारियों ने संग्राहकों को जंगल में कार्य करते समय आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी। उन्हें बताया गया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान घने जंगलों में वन्य जीवों की गतिविधियां बनी रहती हैं, इसलिए अकेले जंगल में न जाए, समूह में कार्य करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को दें साथ ही आगजनी से बचाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में तेंदूपत्ता संग्राहक उपस्थित रहे। संग्राहकों ने वन विभाग द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम जंगल में काम करने वाले मजदूरों के लिए काफी उपयोगी साबित होते हैं। कार्यक्रम में वन विभाग के कर्मचारी, प्राथमिक वनोपज सहकारी संघ के पदाधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

भाजपा नेताओं से मुलाकात को लेकर फैलाई जा रही झूठी जानकारी

छवि खराब करने की साजिश : विधायक मधु भगत

बालाघाट/ परसवाड़ा। परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भाऊ भगत ने सोशल मीडिया पर उनके संबंध में प्रसारित की जा रही खबरों को भ्रामक और असत्य बताते हुए इसे उनकी राजनीतिक छवि धूमिल करने का प्रयास करार दिया है। विधायक भगत ने स्पष्ट किया कि हाल के दिनों में कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके भाजपा नेताओं के साथ कथित मुलाकातों को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जिसका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

विधायक मधु भगत ने कहा कि विगत दिनों सुबह के समय मेन रोड पर टहलने के दौरान उनकी मुलाकात प्रदेश के पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा से संयोगवश हुई थी। इस दौरान उन्होंने सामान्य शिष्टाचार के तहत सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम पूछा। विधायक के अनुसार दोनों के बीच मुश्किल से दस मिनट की सामान्य बातचीत हुई, जिसके बाद वे अपने-अपने मार्ग पर आगे बढ़ गए।



उन्होंने कहा कि इस सामान्य मुलाकात को कुछ लोगों द्वारा राजनीतिक रंग देकर सोशल मीडिया पर भ्रामक तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। विधायक भगत ने साफ किया कि इस मुलाकात का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था और न ही किसी प्रकार की गोपनीय चर्चा या बैठक हुई।

विधायक भगत ने यह भी कहा कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद से उनका किसी प्रकार का संपर्क, संबंध या हालिया बातचीत नहीं हुई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर यह झूठा प्रचार किया जा रहा है कि उनकी कोई गोपनीय मुलाकात या बैठक हुई है, जो पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर गलत तथ्यों को फैलाकर उनकी राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। विधायक भगत ने कहा कि जनता सब समझती है और ऐसे भ्रामक प्रचार से भ्रमित होने वाली नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें और अफवाहों से बचें।

कांग्रेस और जनता का ऋणी हूँ, विकास ही मेरी प्राथमिकता

विधायक भगत ने कहा, 'मुझे अपने जीवन में राजनीति में जो कुछ भी मिला है, वह कांग्रेस पार्टी और परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से मिला है। मैं दो बार कांग्रेस पार्टी से विधायक चुना गया हूँ। पहले चुनाव में हार के बाद भी कांग्रेस ने मुझ पर विश्वास जताते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया। यह पार्टी का मेरे प्रति बड़ा विश्वास और अहसान है, जिसे मैं जीवनभर नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक बातें फैलाकर राजनीतिक भ्रम की स्थिति बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता स्पष्ट है।

तीर्थदर्शन के इच्छुक 11 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

वारासिवनी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बालाघाट जिले से 25 जुलाई को मथुरा, वृन्दावन के लिए स्पेशल ट्रेन तीर्थ यात्रियों को लेकर जाएंगी, यह यात्रा एक सप्ताह की रहेंगी। इस यात्रा में जाने के लिए जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों व नगरीय क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए नगरपालिका व नगर परिषद में 11 जुलाई 2026 तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उक्ताशय की जानकारी देते हुए वारासिवनी नगरपालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश ऊके ने बताया कि तीर्थ क्षेत्र मथुरा, वृन्दावन की यात्रा करने वाले इच्छा रखने वाले व्यक्ति नगरपालिका में 11 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा 25 जुलाई से 28 जुलाई तक संपादित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि पूरे जिले से 191 व्यक्तियों को इस मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा में ले जाने का लक्ष्य रखा गया हैं।